15.05 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) Demand for speeding up the Chetak Express by diesinglist it and introduction of a super-fast train between Delhi and Udaipur.

प्रो: निर्मला कुमारी शक्तावत (चित्तौड़ गढ़) : सभापति महोदय, मैं नियम 377 के अंतर्गत रेल मंत्रालय का ध्यान राजस्थान की पिछड़ी हुई रेल व्यवस्था की तरफ आकर्षित करना चाहूंगी। राजस्थान का दक्षिणी पूर्वी भाग रेल सेवा की दृष्टि से सबसे अधिक पिछड़ा हुआ है। राजस्थान का बांसवाड़ा जिला रेल से जुड़ा हुआ ही नहीं है। चित्तौड़गढ़ तथा उदयपुर दोनों ही कोई तेज रफ्तार की गाड़ी से जुड़े हुए नहीं हैं। चेतक एक्सप्रेस जिसमें डीजल इंजन भी नहीं लगता, धूल तथा कोयले से व्यक्ति परेशान हो जाता है। 20-22 घंटे की उबाने वाली यात्रा से झीलों की नगरी उदयपुर में पहुंचते हैं। इस ट्रेन में पूर्व में एसी लगता था, अब वह भी नहीं। इससे पर्यटकों की संख्या भी प्रभावित हुई है। अतः चेतक एक्सप्रेस की गति बढ़ाने के लिए डीजल इंजन लगाया जाना अति आवश्यक है। एक ए सी स्लीपर भी लगाया जाए जिससे पर्यटकों की संख्या बढ़ सके। इसको उदय पुर से जल्दी रवाना कर के दिल्ली 10 बजे प्रातः तक पहुंचा दिया जाए। यदि यह संभव नहीं है तो फिर झीलों की नगरी उदयपुर तथा शक्ति और भक्ति की नगरी चित्तौड़गढ़ को पर्यटन के नक्शे में उभारने के लिए एक सुपर फास्ट ट्रेन दिल्ली से उदयपुर "मीरा एक्सप्रेस" के नाम से चलाई जाए।

कोटा राजस्थान के रामगज मण्डी क्षेत्र जो औद्योगिक दृष्टि से काफी विकासशील है जहां मोड़ा सीमेंट फैक्ट्री तथा गशिया की सबसे बड़ी धनिये की मंडी है, जहां पत्थरों का मण्डी है, विकसित नगर है। यहां फ्रंटियर मेल भी नहीं रुकती। 15 अगस्त को आप जो "अवध एक्सप्रेस" भीखा तक बढ़ा रहे हैं, मैं मांग करती हूँ कि इसका स्टापेज रामगंज मण्डी कोटा राजस्थान तक अवश्य किया जावे।

(ii) Need to re-consider the decision to put the three N.H.P.C. sub-stations/sub-units located at Purnea, Kishanganj and Dalkola under the control of Manager, Malda Unit.

SHRI D.L. BAITHA (Araria) : In September, 1983, the management of National Hydroelectric Power Corporation took a decision to create a separate Transmission Unit with its headquarters at Purnea (Bihar) to control three sub-stations/sub-units located at Purnea, Kishanganj and Dalkola in Bihar State. Accordingly, a Manager was posted in that separate Transmission Unit at Purnea who joined these on 2nd September, 1983. Later on, this Manager was asked to shift his headquarter from Purnea to Siliguri, by the Chief Project Manager, Siliguri.

It has now come to notice that the three sub-Stations/sub-units located at Purnea, Kishanganj and Dalkola have now been put under the control of Manager, Malda, Unit. This has created a great resentment among the people of Purnea, as it was only on their persistent demand that the management agreed to create a separate Transmission Unit for Purnea (Bihar).

I would, therefore, request the hon. Minister of Energy, through you, to kindly intervene in the matter and see that the people of Purnea are not ignored. In all fairness, the decision taken by the management should be honoured.